Expert Teacher (विशेषज्ञ शिक्षक):– भारतीय संस्कृति का सूत्र वाक्य प्रचलित है।

''तमसो माँ ज्योतिर्गमय'' इस प्रक्रिया को वास्तविक अर्थो में पूर्ण करने के लिए अनुभवी शिक्षकों की अहम भूमिका होती है। इस दिशा में महाविद्यालय के अनुभवी शिक्षक प्रशिक्षणरत भावी शिक्षकों को अपनी ऊर्जा व संस्कारों से पोषित करते हुये सामाजिक विकास के सूत्रधार के रूप में निर्मित कर रहे है।

शिक्षा वह प्रक्रिया है, जो व्यक्ति के जन्म से लेकर मृत्यु पर्यन्त तक चलती है। अतः मनुष्य इस गतिशील प्रक्रिया के माध्यम से कुछ न कुछ सीख कर अपने जीवन मे विकास की चरम सीमा तक पहुँचने का प्रयास करता है। इस प्रयास का आरम्भ सर्वप्रथम उसके अपने परिवार से होता है, जिसमें प्रथम गुरू उसकी माँ होती है। तत्पश्चात वह विद्यालयी शिक्षा ग्रहण करने विद्यालय जाता है, यहॉ वह गुरू के संपर्क मे आता है। फिर व्यक्ति समाज के माध्यम से निरंतर कुछ न कुछ शिक्षा ग्रहण करता रहता है।

शिक्षा के लिये विद्या एवं ज्ञान शब्दों का प्रयोग भी किया जाता है। ईशोपनिषद के अनुसार–''विद्या से आशय उस ज्ञान से है, जिसको प्राप्त करने के पश्चात कुछ जानना शेष नहीं रह जाता , इस ज्ञान को आत्म ज्ञान कहते है।'' संस्कृत साहित्य में विद्या की विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए कहा गया है:–

'' विद्या नाम नरस्य रूपमधिकं, प्रच्छन्नगुप्तं धनम्।
विद्या भोगकरी यशः सुखकरी, विद्या गुरूणां गुरूः।।''

अर्थात् विद्या मनुष्य का सुन्दर रूप है, विद्या अत्यन्त गुप्त धन है, विद्या सुखोपभोग देने वाली है, विद्या गुरूओं की गुरू है। स्वामी विवेकानन्द के शब्दों में :– '' मनुष्य की अन्तर्निहित पूर्णता को अभिव्यक्त करना ही शिक्षा है।''

Trusted Certification (विश्वसनीय प्रमाणीकरण):– महिला शिक्षा ग्रामीण विद्यापीठ, मैनपुरा शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय मुख्यतः शिक्षकों को प्रशिक्षण प्रदान करने की संस्था है। यहॉ छात्राध्यापिकाओं की शिक्षण प्रतिभा को गुणवत्ता प्रदान की जाती है। ग्रामीण क्षेत्र का एक मात्र महाविद्यालय है, जहॉ बी.एड. का पाठ्यक्रम संचालित होता है।

Affilition (संबंधन):– जनजाति महिला विकास संस्थान के तत्वाधान में शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय की स्थापना जुलाई 2007 से की गई। महाविद्यालय वर्तमान में कोटा विश्वविद्यालय कोटा से सम्बद्धता प्राप्त है।

B.Ed Course (बी.एड़ पाठ्यक्रम):– राज्य सरकार द्वारा नियुक्त किसी शैक्षिक अभिक्रम द्वारा आयोजित कराई जाने वाली बी.एड़. पूर्व परीक्षा पीटीईटी में वरीयता स्थान प्राप्त करने के अनुसार छात्राओं का प्रवेश सम्भव होता है।

Course Datails:-

Mode: Full time

Duration: 2 year

Offered by: university of Kota, Kota

Bachelor of Education (B.Ed.) is a two- year full-time undergraduate course approved by the National council for Technical Education (NCTE) and offered by the university of Kota-Kota.

Eligibility Criteria:- Candidates with at least fifty percent marks either in the Bachelor's degree and/or in the Master degree in Arts and Science.